छत्तीसगढ़ हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा, 2013

10वीं हिन्दी माध्यम

विषय : हिन्दी (विशिष्ट) Set-A

निर्देश— (i) सभी प्रश्न हल कीजिए।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न खण्ड—अ, ब में विभाजित है। इसमें 10 अंक निर्धारित हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 7 तक के उत्तर 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 2 अंक निर्धारित हैं।

(iv) प्रश्न क्रमांक 8 से 13 तक के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 3 अंक निर्धारित हैं।

(v) प्रश्न क्रमांक 14 से 19 तक के उत्तर 75 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 4 अंक निर्धारित हैं।

(vi) प्रश्न क्रमांक 20 से 23 तक के उत्तर 150 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित हैं।

(vii) प्रश्न क्रमांक 24 एवं 25 में 8 अंक निर्धारित हैं। प्रश्न क्रमांक 25 का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

खण्ड—अ

1. सही विकल्प चुनकर लिखिए—

(i) शुक्लजी की रचना 'शशांक' है—

(अ) निबंध (ब) उपन्यास

(स) नाटक (द) कहानी।

(ii) मधुलिका किसकी कन्या थी ?

(अ) विश्वामित्र (ब) पुष्पमित्र

(स) सिंहमित्र (द) राजमित्र

(iii) "नैनन के जल सौं पग धोए" इस पंक्ति में रस है—

(अ) शांत रस (ब) करुण रस

(स) शृंगार रस (द) अद्भुत रस

(iv) शंखधारी व्यक्ति शंख को किस दिशा की ओर मुँह करके फूंकना चाहता था ?

(अ) पूर्व दिशा (ब) उत्तर दिशा

(स) दक्षिण दिशा (द) ऊपर की ओर

(v) मैथिलीशरण गुप्तजी के काव्य में प्रधानता है—

(अ) प्रसाद गुण (ब) माधुर्य गुण

(स) ओज गुण (द) ये सभी।

खण्ड—ब

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) प्रसादजी छायावाद के जन्मदाता तथा .... छंद के आदि प्रचारक थे।

(ii) डॉ. रमन को .... के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।

(iii) 'जो दूर की बात सोचे' उसे .... कहते हैं।

(iv) गुरु घासीदास ने वृहद् सतनाम का प्रचार .... स्थान से प्रारंभ किया।

(v) .... वात्सल्य रस के सम्राट कवि माने गए हैं।

2. मजदूरों के प्रति सहानुभूति क्यों रखनी चाहिए ?

3. मगध का राजकुमार कौन था ?

4. कीरत, उदयसिंह को महल के बाहर कैसे ले गया ?

5. दिव्य व्यक्ति का व्यक्तित्व कैसा था ?

6. रोला छंद को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

7. बालक राम के रंजित अंजन नैन की उपमा किससे की गई है ?

8. पर्वत की विशालता को पंतजी ने किस प्रकार चित्रित किया है ?

9. कवयित्री महादेवी वर्मा ने दीपक उपमान का प्रयोग किसके लिए किया है और क्यों ?

10. चित्तौड़ में दीपदान का उत्सव क्यों मनाया जा रहा था ?

11. कबीर ने निन्दक को अपना हितैषी समझने के लिए क्यों कहा है ?

12. वक्त की पाबंदी के संबंध में गाँधीजी का क्या दृष्टिकोण था ? उदाहरण सहित बताइए।

13. दिये गये वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) शिक्षक प्रश्न पूछते हैं ।

(ii) प्रत्येक वृक्ष फल देते हैं।

(iii) आपके पास दो हिन्दी की पुस्तकें हैं।

14. डॉ. भगवत शरण उपाध्याय **अथवा** शरद जोशी का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए—

(i) रचनाएँ (कोई **दो**)

(ii) भाषा-शैली की **दो**-**दो** विशेषताएँ

(iii) साहित्य में स्थान।

15. कम्प्यूटर के विकास को एक क्रांति का नाम क्यों दिया गया है ? समझाइए।

अथवा

"आप चारों ओर घूमकर सभी दिशाओं में इसे फूंक दीजिए।" लेखक शरद जोशी ने ऐसा क्यों कहा ?

16. डॉ. हरगोविंद खुराना की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

डॉ. सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।

17. सुमित्रानंदन पंत **अथवा** संत कबीरदासजी का परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए–

(i) रचनाएँ (कोई दो)

(ii) भावपक्ष की **तीन** विशेषताएँ

(iii) कला पक्ष की **तीन** विशेषताएँ।

18. जैतखाम क्या है ? समझाइये।

अथवा

पंडवानी के कथा-गायन का केन्द्रीय चरित्र कौन है ? स्पष्ट कीजिए।

19. अछूत कन्या को चौके में न आने देने पर गाँधीजी ने महिलाओं को क्या सबक सिखाया ?

अथवा

अस्पृश्यता के संबंध में गाँधीजी के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

20. निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ में प्रसंगविशेष सहित व्याख्या कीजिए :

जसुदा कहूँ लौं कीजै कानि।
दिन प्रति कैसे सही परति है, दूध-दही की हानि।।
अपने या बालक की करनी, जौ तुम दैखौ आनि।
गोरस खाई, खबावै लरिकनि, भाजत भाजन भानि।।
मैं अपने मंदिर के कोने, राख्यो माखन छांनि।
सोई जाई तिहारे ढौटा, लीन्हो है पहिचानि।।

अथवा

पग नुपुर औ पहुँची कर कंजनि, मंजुबनी मनिमाल हिये।
नवनील कलेवर पीत झंगा झलकैं, पुलकैं नृप गोद लिये।।
अरबिंद सो आनन, रूप मकरन्द अनंदित लोचन-भृंग पिये।
मन मों न बस्यौ अस बालक जौं, तुलसी जग में फल कौन जिये।।

21. "पुरस्कार कहानी प्रेम और कर्तव्य के संघर्ष का अनूठा उदाहरण है।" इस कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए।

अथवा

वर्षा सुन्दरी गीत में महादेवी वर्मा ने वर्षा को रूपसि की संज्ञा दी है। वर्षा और रूपसि में निहित **पाँच** समानताओं का उल्लेख कीजिए।

22. आपका नाम संतोष कुमार भारती है। आप शा. उ. मा. विद्यालय, अंबिकापुर में कक्षा दसवीं के छात्र हैं। अपने प्राचार्य को एक आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें निर्धन छात्रनिधि से सहायता हेतु निवेदन किया गया हो।

अथवा

अपने मित्र गोपालकृष्ण को उसके अनुत्तीर्ण हो जाने पर संवेदना प्रकट करते हुए एक प्रेरक-पत्र लिखिए, जिसमें वह इस बार अच्छी तैयारी के साथ उत्साहपूर्वक परीक्षा में बैठे।

23. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ में प्रसंगविशेष सहित व्याख्या कीजिए :

"उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है। किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्तव्य कर्मों के प्रति इतना सुन्दर दिखाई पड़ता है, अकर्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा श्लाध्य नहीं प्रतीत होता। आत्मरक्षा, पर-रक्षा, देश-रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग देखी जाती है उसके सौन्दर्य को परपीड़न, डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुँच सकता।"

अथवा

"जब मशीन की चपेट में आकर मैं अपाहिज हो जाता, मेरा नाम रजिस्टर से खारिज कर दिया जाता, जब मैं उसकी चोट से गिरकर फिर न उठ पाता, तब सड़क के कूड़ों में डाल दिया जाता। मेरी मृत्यु की जवाबदेही किसी को न थी न मेरे बाल-बच्चों के प्रति न मालिकों की अपनी सरकार के प्रति।"

24. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे कोई **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"मन के सशक्त होने पर शरीर में शक्ति व स्फूर्ति आती है। यदि मन दुर्बल है तो शरीर निष्क्रिय रहेगा। यह संसार शक्तिशाली का है; शक्तिहीन का इस संसार में कोई ठौर-ठिकाना नहीं है। कायर व्यक्ति मृत्यु से पहले ही अनेक बार मरता है, कायरता का संबंध मन से है, कायरता का दूसरा नाम ही मन की हार है। परिणामत: मन की हार अत्यंत भयंकर है। मनुष्य भाग्य का निर्माता है पर कायर पुरुष नहीं।"

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ख) हमारे शरीर में शक्ति व स्फूर्ति कब आती है ?

(ग) किस व्यक्ति का इस संसार में ठौर-ठिकाना नहीं है ?

(घ) कायरता का दूसरा नाम क्या है ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

25. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए :

(क) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

(ख) जीवन में खेलों का महत्व

(ग) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(घ) शिक्षित बेरोजगारी : कारण और निदान

(ङ) भारतीय समाज में नारी का स्थान।